

Poland, Rumania, U.A.R., U.S.S.R., Yugoslavia and North Vietnam.

(b) The main features are (i) all imports from these countries are to be balanced with exports from India; (ii) there will be most favoured nation treatment on both sides; (iii) all payments of commercial and non-commercial nature are to be made in Indian rupees; and (iv) any balances in the rupee accounts are to be used for the purchase of Indian goods

CEMENT ALLOCATION AND COORDINATING ORGANISATION

*295. SHRI YAJNA DATT SHARMA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government have instituted any inquiry into the affairs of the Cement Allocation and Coordinating Organisation; and

(b) if so, the action taken thereon ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) The matter is under examination.

(b) Does not arise.

'स्विच ट्रेड'

*296. श्री मधु लिमये : क्या बाणिज्य मंत्री 15 दिसम्बर, 1967 के अतारंकित प्रश्न संख्या 4,525 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान पश्चिम जर्मनी के दूतावास में कपड़ा विशेषज्ञ श्री रत्नम के पत्र की ओर दिलाया गया है, जो सभा पटल पर रखा गया था और जिसमें पूर्वी यूरोप के देशों के विरुद्ध कपड़ा व्यापार के बारे में "स्विच ट्रेड" का आरोप लगाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

बाणिज्य मंत्री (श्री विनेश सिंह) : (क) जी, हां ।

(ख) बेल्जियम तथा साम्राज्य बाजार में भारतीय राजदूत के वस्त्र अधिकारी श्री एम०

एम० रत्नम के पत्र में सामान्यतः यह आशय व्यक्त किया गया है, जिसकी सूचना यूरोप के कुछ आयातकों ने उनको दी थी, कि पूर्वी यूरोप द्वारा खरीदा गया भारतीय कोरा कपड़ा पश्चिमी यूरोप के देशों को भेजा जा रहा है। विशिष्ट मामलों के बारे में आगे कोई सूचना न मिलने के कारण इस पत्र पर आगे कोई कार्यवाही नहीं की जा सकी ।

अप्रैल, 1957 से पहले सेवा-निवृत्त हुए रेलवे कर्मचारियों को पेंशन

297. श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 23 जनवरी, 1967 को तत्कालीन रेलवे मंत्री ने घोषणा की थी कि 1 अप्रैल, 1957 से पहले सेवा-निवृत्त हुए सभी रेलवे कर्मचारियों को 1 जनवरी, 1967 से पेंशन दी जायेगी ;

(ख) क्या यह भी सच है कि 4 फरवरी, 1967 को उक्त घोषणा में इस आशय क संशोधन कर दिया गया था कि ऐसे कर्मचारियों को पेंशन नहीं दी जायेगी, जो भूतपूर्व भारतीय रियासतों द्वारा चलाई जा रही रेलों में काम करते थे और 1 अप्रैल, 1965 से पहले सेवा-निवृत्त हो चुके थे; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या इस सम्बन्ध में जोधपुर के रेलवे कर्मचारियों की ओर से सरकार को कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है ; और

(घ) यदि हां, तो इस मामले में सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

रेलवे मंत्री (श्री बे० मु० पुनाचा) :

(क) 23 जनवरी, 1967 को रेल मंत्री न तैसी कोई घोषणा नहीं की थी कि 1, अप्रैल, 1957 से पहले सेवा निवृत्त सभी रेल कर्मचारियों को 1 जनवरी, 1967 से पेंशन दी जायेगी। सम्भवतः माननीय सदस्य का आशय 23 जनवरी, 1967 को रेल मंत्रालय

द्वारा जारी किये गये उस आदेश से है जिसमें यह कहा गया था कि जो रेल कर्मचारी 1 अप्रैल, 1957 से पहले सेवा निवृत्त हुए थे, उन्हें कुछ शर्तों के पूरा होने पर 1 जनवरी, 1967 से अनुग्रह पेंशन मंजूर की जायेगी।

(ख) 23 जनवरी, 1967 को जारी किये गये आदेश को, जिसमें अनुग्रह पेंशन मंजूर की गई थी, उसके बाद 4 फरवरी, 1967 के आदेश से संशोधित नहीं किया गया था। अनुवर्ती आदेश में सरकार के इस आशय का केवल स्पष्टीकरण किया गया था कि अनुग्रह पेंशन केवल उन रेल कर्मचारियों को दी जायेगी जो 1 अप्रैल, 1957 से पहले अशुद्ध भविष्य निधि प्रणाली में भारत की सरकारी रेलों से सेवा निवृत्त हुए थे।

(ग) और (घ) जोधपुर बीकानेर रेलवे के कर्मचारियों की ओर से नवम्बर, 1967 में अखिल भारतीय सेवा-निवृत्त रेल कर्मचारी संघ द्वारा एक अभ्यावेदन मिला था। संघ को सूचित कर दिया गया था कि सरकार भूतपूर्व देशी रियासतों या भूतपूर्व कंपनी रेलों से सेवा-निवृत्त कर्मचारियों को अनुग्रह पेंशन देने का अनुरोध मानने में असमर्थ है क्योंकि जो लोग सरकार की सेवा से निवृत्त नहीं हुए थे, उनके संबंध में सरकार किसी प्रकार की देयता का वहन नहीं कर सकती।

BAGS OF BEATEN RICE LYING AT CALICUT RAILWAY STATION

*298. SHRI K. SURYANARYANA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the General Manager, Southern Railway has issued instructions to Railway Station Masters recently in Madras and Kerala States to withhold delivery of all consignments of beaten rice booked from Andhra Pradesh;

(b) whether it is also a fact that about 1300 bags of beaten rice are lying unclaimed at Calicut Railway Station; and

(c) if so, the names of the railway stations from where the rice was booked and the action taken by Government against the exporters and importers ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA) : (a) Yes, Sir. Instructions were issued by General Manager (Commercial), Southern Railway, to certain stations in Kerala to withhold delivery of consignments of beaten rice booked from Andhra Pradesh as these consignments arrived such stations without proper permits required under the Southern States (Regulation of Export of Rice) Order, 1964, and the circumstances under which they were booked required clarification to ensure that there might be no violation of legal regulations.

(b) and (c). Only 202 bags of beaten rice booked from Secunderabad railway station were lying unclaimed at Calicut railway station on 23-2-1968. No action against the exporters or the importers was justified as investigations revealed that the booking was in pursuance of orders issued by the High Court of Andhra Pradesh staying the operation of the aforesaid Southern States (Regulation of Export of Rice) Order, 1964.

H.M.T. LTD.

*299. SHRI NITIRAJ SINGH CHAUDHARY : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the Hindustan Machine Tools Ltd. has since utilised the unutilised 20 to 25 per cent capacity; and

(b) if not, the reasons therefor and when this would be utilised ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) and (b). Due to persistent recession in industries and consequent fall in demand for machine tools, it has not been possible for Hindustan Machine Tools Limited to utilise fully the capacity in their machine tool units. At present the unutilised capacity is about 55%. In order to utilise the capacity fully, the company are diversifying production by taking up manufacture of a variety of new machine tools. They also propose to take up manufacture of various types of presses and printing machinery